

सेनांग पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में सेना के चार अंगों में से प्रत्येक (हर एक अंग), सेना के चार अंग होते थे, पैदल, हाथी, घोड़े, रथ 2. सेना का दल या टुकड़ी।

सेना स्त्री. (तत्.) 1. रणकौशल प्राप्त सशस्त्र व्यक्तियों का दल, वाहिनी, फौज 2. किसी उद्देश्य से संघटित बड़ा दल या समूह स.क्रि. 1. सेवा करना 2. औषध का नियमित रूप से सेवन करना।

सेनाकक्ष पुं. (तत्.) 1. सेना का पार्श्व, बैरक या ठहरने का स्थल 2. छावनी 3. सैन्य-शिविर।

सेनाकर्म पुं. (तत्.) सेना का प्रबंध या नेतृत्व।

सेनाकल्प पुं. (तत्.) शिव, भगवान शंकर।

सेना-गोप पुं. (तत्.) एक प्रकार का सैनिक।

सेनाग्र पुं. (तत्.) 1. सेना का वह दल जो युद्ध में आगे रहता है 2. सेना का अगला भाग।

सेनाग्रणी पुं. (तत्.) किसी सैनिक टुकड़ी में आगे रहने वाला व्यक्ति, सेनानायक।

सेनाचर पुं. (तत्.) सैनिक, सिपाही।

सेना जयंती स्त्री. (तत्.) संगीत में कर्नाटक पद्धति की एक रागिनी।

सेनाजीवी पुं. (तत्.) सेना के कार्यों से जीविका प्राप्त करने वाला व्यक्ति वि. (तत्.) सैनिक रूप में या सेना से जीविका प्राप्त करने वाला, सिपाही, योद्धा।

सेनादल पुं. (तत्.) 1. सेना का अध्यक्ष 2. सेना का महान सेनापति।

सेनादार पुं. (तत्.+फा.) सेनानायक, सैनिक।

सेनाधिकारी पुं. (तत्.) 1. सेना का अधिकारी, फौजी अफसर 2. सेना में काम करने वाला कोई अधिकारी।

सेनाधिप पुं. (तत्.) वरिष्ठ नायक, सेनापति, सेनाध्यक्ष।

सेनाधिपति पुं. (तत्.) 1. सेना का अधिपति 2. प्रमुख सेनाध्यक्ष 3. सेनाध्यक्ष।

सेनाधीश पुं. (तत्.) सेना का सबसे बड़ा अधिकारी, सेनाध्यक्ष, सेना-पति।

सेनानायक पुं. (तत्.) 1. सेना का नायक, सेनानी 2. देव सेना का प्रमुख कार्तिकेय।

सेनानी पुं. (तत्.) 1. सैनिक 2. सेनापति।

सेनापति पुं. (तत्.) 1. सेनाध्यक्ष 2. कार्तिकेय 3. शिव 4. धृतराष्ट्र का एक पुत्र, सेना का स्वामी अर्थात् प्रमुख पदाधिकारी 6. हिंदी के रीतिकालीन कवि।

सेनापत्य पुं. (तत्.) 1. सेनापति होने का भाव, सेनापति का दायित्व 3. सेनापति होने की अवस्था 4. सेनापति का पद।

सेनापरिधान पुं. (तत्.) सेना के साथ रहने वाले आवश्यक व्यक्तियों का सारा सामान, सेना की वर्दी, पोशाक।

सेनापाल पुं. (तत्.) सेनानायक, सेनापति।

सेना भंडा पुं. (तत्.) 1. सेना का तितर-बितर हो जाना 2. सेना का विघटन।

सेनाभक्त पुं. (तत्.) सेना के लिए रसद और बेगार।

सेनाभक्ति स्त्री. (तत्.) प्राचीन काल में भारत में सेना के भरण-पोषण के लिए राजा या राज्य की ओर से लिया जाने वाल कर।

सेनामणि पुं. (तत्.) संगीत में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

सेनामनोहरी स्त्री. (तत्.) संगीत की कर्नाटकी पद्धति की एक रागिनी।

सेनामुख स्त्री. (तत्.) 1. सेना की वह टुकड़ी जिसमें तीन या नौ हाथी या सत्ताईस घोड़े नौ रथ एवं 15 या 45 पैदल सैनिक होते थे पुं. (तत्.) सेना का अगला भाग।

सेनायोग पुं. (तत्.) 1. फौजी सामान 2. फौज की तैयारी, सैन्य-सज्जा।

सेनावास पुं. (तत्.) 1. सैन्य स्थान 2. सैन्य शिविर, छावनी, डेरा, खेमा, सेना का आवास, ठहरने या रहने का स्थान।